

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 26 अक्टूबर, 2023

भारतीय सेना को मली वरटकिल वडि टनल

हमिचल प्रदेश में भारतीय सेना के विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल (Special Forces Training School- SFTS) ने सेना की पहली वरटकिल वडि टनल (VWT) प्राप्त कर ली है, जो विशेष बलों और लड़ाकू फ्री-फॉलर्स के लिये प्रशिक्षण बुनयादी ढाँचे को बढ़ाती है।

- VWT को सशस्त्र बलों के कर्मियों के कॉम्बैट फ्री फॉल (CFF) कौशल में सुधार करने हेतु डिज़ाइन किया गया है, जो वास्तविक जीवन की फ्रीफॉल स्थितियों का अनुकरण करने हेतु एक नयित्तरति वातावरण का निर्माण करता है। VWT वभिन्न CFF स्थितियों की नकल करते हुए वशिष्ट वायु वेग उत्पन्न करके कार्य करता है।
- यह फ्रीफॉल परदृश्यों की एक वसित्त शृंखला का अनुकरण करके शुरुआती और अनुभवी फ्री-फॉलर्स एवं CFF प्रशिक्षकों दोनों की सहायता करता है, जिससे हवाई ऑपरेटिंग वातावरण में व्यक्तित्गत प्रतिक्रियाओं का आकलन करने में सहायता मिलती है।

और पढ़ें... [रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, भारतीय नौसेना](#)

कोसोवो और सर्बिया के बीच बढ़ता तनाव

[यूरोपीय संघ \(EU\)](#) और अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस व इटली के राजनयिकों के साथ कोसोवो तथा सर्बिया से दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के प्रयास में अपनी वार्त्ता फरि से शुरु करने पर वचिार कर रहे हैं।

- कोसोवो और सर्बिया दोनों यूरोपीय संघ में शामिल होने की इच्छा रखते हैं, लेकिन उन्हें पहले अपने मतभेदों को सुलझाने के लिये कहा गया है। पश्चिमी शक्तियाँ राजनीतिक संकटों को हल करने के लिये यूरोपीय संघ द्वारा प्रस्तावित 10-सूत्रीय योजना के कार्यान्वयन पर ज़ोर दे रही हैं।
 - वविाद का एक प्रमुख मुद्दा कोसोवो में सर्ब-बहुसंख्यक नगर पालिकाओं के संघ (ASM) की स्थापना है, जिसके कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।
- दोनों देशों के बीच संघर्ष वर्ष 2008 से शुरु हुआ जब कोसोवो ने सर्बिया से एकतरफा स्वतंत्रता की घोषणा की। कोसोवो की स्वतंत्रता को बड़ी संख्या में देशों ने मान्यता दी है लेकिन सर्बिया कोसोवो की संप्रभुता को मान्यता नहीं देता है जिसके कारण सीमा वविाद उत्पन्न हो गया।



और पढ़ें...[कोसोवो-सर्बिया संघर्ष](#), [उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन](#)

RISUG: प्रतविर्ती पुरुष गर्भनरोधक

[भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद \(ICMR\)](#) ने पुरुष गर्भनरोधक [रविरसबिल इनहबिशन ऑफ स्पर्म अंडर गाइडेंस \(Reversible Inhibition of Sperm Under Guidance- RISUG\)](#) पर सात वर्ष के अध्ययन का नष्कर्ष जारी किया है, जिसमें इसे सुरक्षित और प्रभावी पाया गया है।

- RISUG एक गैर-हार्मोनल इंजेक्टैबल [गर्भनरोधक](#) है जो पूर्ण प्रतविर्तीता के साथ लंबे समय गर्भधारण से मुक्ति प्रदान करता है।
- RISUG स्टाइरीन मैलिक एनहाइड्राइड (Styrene Maleic Anhydride-SMA) से बने 'पॉलिमर जेल' को इंजेक्ट करके कार्य करता है। शुक्रवाहिका (Vas Deferens) में [डाइमथाइल सल्फोक्साइड \(Dimethyl Sulfoxide- DMSO\)](#) नामक वलायक को इंजेक्ट करके इसे प्रविर्ती कर सकता है, जो पॉलिमर जेल को घोलता है और इसे शरीर से बाहर निकाल देता है।

वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था होगी जापान से आगे: S&P ग्लोबल

एस एंड पी ग्लोबल मार्केट इंटेल्जेंस के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक जापान तथा जर्मनी से आगे निकल जाएगी। इसके अनुमान के अनुसार, भारत की [GDP \(सकल घरेलू उत्पाद\)](#) जो वर्ष 2022 में 3.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर थी, वर्ष 2030 तक बढ़कर 7.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो सकती है।

- वर्ष 2023-2024 में 3.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत अब विश्व में पाँचवें स्थान पर है।
- ऐसा अनुमान है कि इस तीव्र वृद्धि के साथ भारत की अर्थव्यवस्था कुछ वर्षों में जापान को पीछे छोड़ देगी तथा [एशिया-प्रशांत क्षेत्र](#) में दूसरी

सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगी।

- भारत अपनी अनुकूल दीर्घकालिक विकास संभावनाओं, अपनी युवा जनसांख्यिकीय प्रोफाइल और बढ़ती शहरी घरेलू आय के कारण बढ़ने के लिये तैयार है।
- भारत की युवा जनसंख्या संरचना तथा बढ़ती शहरी घरेलू आय इसकी अनुकूल दीर्घकालिक आर्थिक विकास संभावनाओं का संचालन कर रही है, जो इसे इस तरह से बढ़ने में सहायता प्रदान करेगी।
- तेज़ी से बढ़ते घरेलू उपभोक्ता बाज़ार और औद्योगिक क्षेत्र के साथ मलिकर भारत का मध्यम वर्ग, भारत को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिये एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाता है।

अंटार्कटिका के प्राचीन भूदृश्य का खुलासा:

हाल ही में वैज्ञानिकों ने [अंटार्कटिका](#) के बर्फीले वसितार के नीचे एक उल्लेखनीय खोज की है, जो इसके वर्तमान भूदृश्य से बहुत समय पहले की स्थिति पर प्रकाश डालती है।

- पूर्वी अंटार्कटिका के वलिकस लैंड क्षेत्र में एक विशाल प्राचीन परदृश्य की खोज की गई है, जिसमें प्राचीन नदियों द्वारा बनाई गई घाटियाँ और परवतमालाएँ शामिल हैं।
- यह एक बीते युग का संकेत देता है जब अंटार्कटिका की जलवायु काफी गर्म थी, जो संभवतः वन्य जीवन की गतविधियों की वविधि शृंखला का समर्थन करती थी।
 - [प्लेट वविरतनिकी](#) के कारण अलग होने से पहले अंटार्कटिका [गोंडवाना महाद्वीप](#) का भाग हुआ करता था।
 - अंटार्कटिका में अत्यधिक बर्फ पड़ने से पूर्व इसकी स्थलाकृति और वनस्पति संभवतः आज के ठंडे [समशीतोष्ण वर्षावनों](#) की तरह दिखती थी।



और पढ़ें...[तेज़ी से पघिल रही अंटार्कटिका की बर्फ](#)

